उत्तराखंड में बाघों की आबादी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वर्ष 2006 और वर्ष 2022 के बीच उत्तराखंड में बाघों की आबादी 314% की दर से बढ़ी है। **उत्तराखंड वन्यजीव अधिकारियों के अनुसार, उत्तराखंड में बाघों की आबादी का घनत्व विश्व में सबसे अधिक है।**

मुख्य बिंदु:

- **बाघों की आबादी** जो **वर्ष 2006 में 178 थी, वर्ष 2022 में** बढ़कर **560 हो गई**, जिसमें 314% की वृद्धि दर्ज की गई।
- राज्य में **वन्य जीवों की आबादी में वृद्धि** हाल के वर्षों में वन विभाग द्वारा उनके आवास की स्थिति में सुधार के लिये उठाए गए कदमों के कारण है।
- वर्ष 2023 में **बाघों के हमलों में मारे गए और घायल हुए लोगों की संख्या में भी मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है।**
  - बाघों के अलावा **तेंदुए, हाथी और साँप जैसे जानवरों** के साथ मुठभेड़ में मारे गए लोगों की कुल संख्या वर्ष 2021 में 71, वर्ष 2022 में 82 तथा वर्ष 2023 में 66 थी।
  - **मानव-पशु संघर्ष** में घायल व्यक्तियों की संख्या वर्ष 2021 में 361, वर्ष 2022 में 325 और वर्ष 2023 में 317 थी।
- **उत्तराखंड में दो टाइगर रिज़र्व हैं:**
- राजाजी राष्ट्रीय उद्यान
- कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tiger-population-in-uttarakhand